# आईसीएआर-निनफेट को गणेश शंकर विद्यार्थी हिंदी पत्रिका पुरस्कार

आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता ने केंद्र सरकार के सरकारी कार्यों को अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी में करने तथा संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को देश में सर्वाधिक बोली जाने वाली हिंदी भाषा के माध्यम से प्राकृतिक रेशा उपजाने वाले किसानों एवं उद्यमियों तक पहुंचाने में किए गए उत्कृष्ट योगदान हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा संस्थापित गणेश शंकर विद्यार्थी हिंदी पत्रिका पुरस्कार अपने नाम किया है। संस्थान ने गणेश शंकर विद्यार्थी हिंदी पत्रिका पुरस्कार (2020-21) 'देवांजलि' के प्रकाशन के लिए प्राप्त किया है। पत्रिका में प्राकृतिक रेशों की कटाई उपरान्त किसान उपयोगी विभिन्न तकनीकों को समाहित किया गया हैं जिनके उपयोग से किसानों ने उन्नत ग्रेड का रेशा निकालकर उसका अधिक बाजार मूल्य लिया हैं, अपनी आय को दोगुनी किया है और आज वे खुशहाल जिन्दगी जी रहे हैं।

नई दिल्ली के नास परिसर स्थित ए. पी. शिन्दे सिम्पोजियम हॉल में 16 जुलाई, 2022 को आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के 94वें स्थापना दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ. डी. बी. शाक्यवार ने यह पुरस्कार केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के हाथों से प्राप्त किया। कार्यक्रम में संस्थान के हिंदी अनुभाग के प्रभारी एवं तकनीकी अधिकारी श्री के. एल. अहिरवार एसोसिएट के रूप में उपस्थित थे।

- K L Ahirwar